



THE IMPRESSIVE TIMES

Haryana to strengthen its charging infrastructure for EVs: Dr Hanif Qureshi

Simran Rawat

info@impressivetimes.com

FARIDABAD: Haryana will soon have an Infrastructure facility for charging all types of Electric Vehicle (EVs) across the state as the State Government has formulated an Electric Vehicle Policy to accelerate the adoption of electric vehicles and strengthen charging infrastructure in the State. The Policy proposes to create better infrastructure facilities for charging of Electric Vehicles. This was disclosed by Dr Hanif Qureshi, Director General, Haryana New and Renewable Energy Department who was chief guest in the inaugural session of two-day AICTE sponsored International Conference on 'Recent Developments in Electrical and Electronics Engineering' (ICRDEE 2022) organized by the JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad. The conference was presided over by the Vice-Chancellor Prof. SK Tomar.



Prof. Bhim Singh from IIT Delhi was keynote speaker in the Conference. The conference is convened by Dr. Sakshi Kalra and Sh. Nitin Goel. Addressing the inaugural session, Dr Qureshi said that India has set a target to meet 50 per cent of its energy requirements from renewable energy by 2030. To achieve this target, the State Govern-

 **EDUCATIONAL INSTITUTIONS HAVE TO PLAY IMPORTANT ROLE IN CONDUCTING RESEARCH: PROF. SK TOMAR**

ment has already introduced Haryana Bio-Energy Policy and Haryana Solar Power Policy. Haryana's Electric Vehicle Policy will not only ensure environmental sustainability by promoting clean transportation, but also create an ecosystem for manufacturing of Electric Vehicles (EVs) in the State, he added. Describing EVs charging facilities as an important aspect of the policy, Dr Qureshi said that e-vehicles are the only solution to address increasing

vehicular pollution in the country. For the promotion of the e-vehicle, the first step is to provide charging facilities in the State and Haryana New and Renewable Energy Department is continuously working in this direction. The charging stations being installed in the State are providing facilities for charging of all types of Electric Vehicle, he added. In his presidential address, Vice Chancellor Prof. SK Tomar said that research and innovation are becoming more and more society centric and directly linked to the sustainable development of the country. Therefore, educational institutions have to play an important role in conducting research in the area of emerging technologies. The conferences of such kind are required for researchers, technocrats and academicians to discuss interdisciplinary research and practices in their related fields and to provide smart solutions for the sustainable development, he added.



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



NEWS CLIPPING:16.04.2022

THE TRIBUNE



VARSITY VOLLEYBALL TEAM SHINES

Faridabad: The team of JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad have excelled in the Varchas Sports Fest organised by IIT-Jodhpur and brought laurels to the university by winning gold medal in volleyball competition. Athlete Vijay won a bronze medal in 200 metres race competition. The students have also participated and performed well in badminton, basketball, cricket and table tennis competitions in the fest. Vice Chancellor Prof SK Tomar and Registrar Dr SK Garg have congratulated the students on their achievement.



HADOTI ADHIKAR

हरियाणा में जल्द विकसित होगी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की ढांचागत सुविधा: डॉ. हनीफ कुरैशी

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

► अधिकार संवाददाता

फरीदाबाद, 15 अप्रैल। हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने और राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है। इस नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव है।

यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ. हनीफ कुरैशी ने आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास' (आईसीआरडीईई 2022) पर आयोजित दो दिवसीय एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को मुख्यातिथि के रूप में संबोधित करते



हुए दी। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने की। सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली से प्रो. भीम सिंह मुख्य वक्ता रहे।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हरियाणा में पहले ही जैव-ऊर्जा

नीति और सौर ऊर्जा नीति लागू है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की इलेक्ट्रिक वाहन नीति न केवल स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करेगी, बल्कि राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करेगी। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाओं को नीति का एक महत्वपूर्ण पहलू बताते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि देश में बढ़ते वाहनों के प्रदूषण

को दूर करने के लिए ई-वाहन ही एकमात्र समाधान है। ई-वाहन को बढ़ावा देने के लिए पहला कदम राज्य में चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है और हरियाणा का नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग इस दिशा में लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य में स्थापित किए जा रहे चार्जिंग स्टेशन सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं।



AAJ SAMAJ

हरियाणा में जल्द विकसित होगी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की ढांचागत सुविधा: हनीफ कुरैशी

■ शिक्षण संस्थानों को उभरती प्रौद्योगिकी में अनुसंधान पर देना होगा ध्यान: कुरैशी प्रौ. एस्के तेमर

आज समाज नेटवर्क

फरीदाबाद। हरियाणा में जल्द ही सभी प्रशार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित की जाएगी। राज सरकार द्वारा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन दें और राज में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के

बुनियादी ढांचे को सुदूर बढ़ाने के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव है। उक्त जानकारी मुख्य अधिकारी के हाथ में उपस्थित हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ हनीफ कुरैशी ने जैसे विभान एक प्रौद्योगिकी विज्ञानविद्यालय, बाईंगमसीन फरीदाबाद में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग' के क्षेत्र में मनोविज्ञान विकास' (आई-आई-ई-2022) पर आवाजाज दो विद्यार्थी एआईसीटी द्वारा प्रारंभित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र का संर्वोत्तम करते हुए दी।

सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रौ. एस्के तेमर ने की। सम्मेलन में आई-आईटी दिल्ली से प्रौ. भीम सिंह मुख्य वकाल द्वारा दी गई। उद्घाटन सत्र की संवादित करते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अधिक ऊर्जा से पूरे करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हरियाणा में यहां ही जैव-ऊर्जा नीति और सौर ऊर्जा नीति लागू है।

उद्घाटन कहा कि हरियाणा की इलेक्ट्रिक वाहन नीति न केवल स्वच्छ पर्यावरण के बहुव्यापक देशी परिवर्तनीय स्थिर सुविधाएँ करेंगी, बल्कि राज में इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण के लिए एक प्रौद्योगिकी की त्रिपुरारी के लिए विकास करने के लिए भी उपलब्ध कराएंगी।

दीप प्रचलित कर सम्मेलन का उद्घाटन करते कुलपति तेमर।



करेंगी। इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग करने के लिए ई-वाहन ही एकमात्र सुविधाओं की नीति का एक महत्वपूर्ण समांग है। ई-वाहन को बहुत देने पहले वकाल हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि के लिए पहला कदम राज में चार्जिंग दोस्त में बढ़ाव वाहनों के प्रदूषण को दूर की सुधारा उपलब्ध कराना है और

प्रौद्योगिकी पर चर्चा करने एवं सतत विकास के लिए इस दृष्टि में लगातार काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राज में स्वास्थ्य विकास जा ही चार्जिंग स्टेशन, सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्ज करने की सुधारा प्रदान कर रहे हैं। कुलपति प्रौ. एस्के तेमर ने अपने अधिकारीय भाषण में कहा कि अनुसंधान और नवाचार अधिक से अधिक समाज को देंगे होते जा रहे हैं जैव-सीधे और पर देश के सबल विकास से जुड़े हैं अपनी व्यवहार ही और सम्मेलन के लिए 50 रोपण पर प्रस्तुत किए जाएंगे। सम्मेलन में छज्जों और शोभालियों द्वारा एक पर्यावरणीय और सांस्कृतिक भी लाभ ही जा रहा है। सत्र के अंत में कुलपति डॉ. एस्के तेमर ने धन्यवाद जारी किया।



PIONEER

जल्द विकसित होगी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की सुविधा : डॉ हनीफ कुरैशी

जेसी बोस विवि में हुआ इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग के दोग में नवीन विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पाठ्यनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए डॉ चार्जिंग सुविधा विकसित की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्तालन देने और राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है। इस नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने का प्रताव है।

यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ हनीफ कुरैशी ने आज जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, 'बाइएमटीए, फरीदाबाद में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रोनिक्स इंजीनियरिंग' के क्षेत्र में नवीन विकास' (आईसीआरडीईईए



जेसी बोस विश्वविद्यालय में कार्यक्रम का दीप जला कर शुभारंभ करते कुलपति प्रो. एम.सी.सिंह। 2022) पर आयोजित दो दिवसीय इलेक्ट्रिक वाहन नीति न केवल स्वच्छ एआईसीटीई द्वारा प्रायोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सत्र परिवर्तन को बढ़ावा देकर पर्यावरणवाच के संबोधित करते हुए ही है। वह सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। एक पारिस्थितिकों तंत्र को प्रोत्तालित सम्मेलन को अध्यक्षता कुलपति प्रो. एस.नीति ने की है। सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली से प्रो. भीम सिंह एवं तेजप्रताप की है। इस नीति में इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने का प्रताव है।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अवधि ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हरियाणा में पहले ही जैव-ऊर्जा नीति और सौर ऊर्जा नीति लागू है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की चार्जिंग स्टेशन सभी प्रकार के

इलेक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

कुलपति प्रो. एसके तोमर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि अनुसंधान और नवाचार अधिक से अधिक समर्पण के लिए जा रहे हैं जोकि सोधे तौर पर देश के सतत विकास से जुड़ते हैं। इसलिए शिक्षण संस्थानों को उभरती प्रौद्योगिकीयों के क्षेत्र में अनुसंधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

सत्र के मुख्य भाषण में प्रो. भीम सिंह ने शिख इंटराक्टिव फोटोवॉलिटिक (पीवी) सिस्टम पर व्याख्यान दिया और भारत की वर्तमान सौर क्षमता और इसके भवित्व के लक्ष्यों पर चर्चा की। उन्होंने सोलर और ग्रिड के बीच उपलब्ध इंटरफ़ेसिंग सिस्टम के सुविधाओं को नीति का एक प्रकार के बारे में बताया। इससे पहले सम्मेलन अध्यक्ष एवं इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्षा प्रो. पूर्ण सिंहल ने अतिथि वकालों को स्वागत किया। उन्होंने एफईटी प्रो. एम.एल. अग्रवाल ने सम्मेलन के बारे में विस्तार से बताया और बताया कि उन्होंने एक प्राप्ति इस दिशा सम्मेलन के दौरान चार अमरित व्याख्यान होंगे और सम्मेलन के विषयों पर लगभग 50 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे।



J. C. Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad

(formerly YMCA University of Science and Technology)

A State Govt. University established wide State Legislative Act. No. 21 of 2009

SECTOR-6, FARIDABAD, HARYANA-121006

Ph. 129-2310127 | email:proymcaust@gmail.com | web: www.jcboseust.ac.in



GOLDEN JUBILEE YEAR
(1969-2019)

NEWS CLIPPING:16.04.2022

HADOTI ADHIKAR

हरियाणा में
जल्द विकसित
होगी
इलेक्ट्रिक
गाहन चार्जिंग
की लांचागत
सुविधा: डॉ.
हनीफ कुरैशी





REPCO NEWS

हरियाणा में जल्द विकसित होगी इलैक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की ढांचागत सुविधा : डा० हनीफ कुरैशी



फरीदाबाद, 15 अप्रैल (रैपको न्यूज़)। हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलैक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित की जायेगी। राज्य सरकार द्वारा लोगों को इलैक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने और राज्य में इलैक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए एक इलैक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है।

इस नीति में इलैक्ट्रिक वाहनों को चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने के प्रस्ताव है। यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डा० हनीफ कुरैशी ने आज जे.सी. बोर्ड विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद में 'इलैक्ट्रिक एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग' के क्षेत्र में नवीन विकास'

(आईआरीआईई 2022) पर आयोजित हो दिसंसीय एआईसीटीई द्वारा प्रयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दी।

वह सम्मेलन में मूल्य अतिथि थे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुरैशी ने एस.के. तोमर ने की।

सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली से प्रो. भीम सिंह मूल्य बक्से रहे। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए डॉ।

कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी कार्ज अवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अश्व ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष रखा है। इस लक्ष को प्राप्त करने के लिए हरियाणा में पहले ही जैव-कार्ज नीति और सौर कार्जों नीति लागू है।

उन्होंने कहा कि

हरियाणा की इलैक्ट्रिक वाहन

नीति न केवल स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय

स्थिरता सुनिश्चित करेगी, बल्कि

राज्य में इलैक्ट्रिक वाहन के

निर्माण के लिए एक

पारिवारिकी तंत्र को प्रोत्साहित

करेगी।

इलैक्ट्रिक वाहन चार्जिंग सुविधाओं को नीति का

एक महत्वपूर्ण पहलू बताते हुए

डॉ कुरैशी ने कहा कि देश में बढ़ते वाहनों के प्रदूषण को दूर करने के लिए इ-वाहन ही एकमात्र समाधान है। इ-वाहन को बढ़ावा देने के लिए पहला कदम राज्य में चार्जिंग की सुविधा उपलब्ध कराना है और वह जानकारी हरियाणा का नवीन एवं चर्चा की।

उन्होंने सोलन और गिर के बीच उल्लंघन इंटरफ़ेसिंग सिस्टम के प्रकारों के बारे में बताया। इससे पहले सम्मेलन अध्यक्ष एवं चार्जिंग इंस्टेन्यूट के प्रकारों के बारे में बताया। इससे पहले सम्मेलन अध्यक्ष एवं इलैक्ट्रिक वाहनों को चार्ज करने की सुविधा प्रदान कर रहे हैं।

हूँकुलपति प्रो. एस.के. तोमर ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि अनुसंधान और नवाचार अधिक से अधिक समाज केंद्रित होते जा रहे हैं जोकि सीधे तौर पर देश के सतत विकास से जुड़ते हैं। इसलिए

शिक्षण संस्थानों को उभरती प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में अनुसंधान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

उन्होंने कहा कि राज्यव्यवस्थाओं, तकनीकीविदों और सिशायिकों को अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान और उभरती प्रौद्योगिकी पर चर्चा करने एवं समाजान प्रदान करने के लिए

सत्र के अंत में कुलसम्पर्क डॉ.

एस.के. गर्ग ने धन्यवाद जापित

किया। सम्मेलन का संयोजन

डॉ। साक्षी कालरा और श्री

नितिन गोयल द्वारा किया जा

रहा है।



HADOTI ADHIKAR

आज के शोध परिणाम, कल का भविष्य : कुलपति

इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उन्नति पर दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संपन्न

► अधिकार संवादपत्र

फरीदाबाद, 16 अप्रैल। जे.सी.बी.स. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवीन विकास' (आईसीआरडॉइफ 2022) पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रायोगित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आज संपन्न हो गया। सम्मेलन का आयोजन विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा किया गया था। सम्मेलन में विभिन्न वर्गों के 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

समापन सत्र में पावर एग्ज़िकॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक तथा वर्तमान में स्पार्टेक और इमर्जिंग कंट्रोल सिस्टम्स के मर्लुक कार्यकारी अधिकारी रवींद्र नाथ नालक मुख्य अतिथि रहे। सत्र की अध्यक्षता कुलपति प्रौ. एस.के. तोमर ने की। इस अवसर पर कुलपति डॉ. एस.के. गर्ग और डॉन एफ़र्डी प्रौ. एम.एल. अग्रवाल भी उपस्थित थे। अपने संबोधन में कुलपति प्रौ. एस.के. तोमर ने इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग के क्षेत्र में नवाचार और अनुसंधान की अवसरकाता पर कल दिया और उभरती प्रौद्योगिकीयों एवं उभरते क्षेत्रों में अनुसंधान करने में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरों की महत्वपूर्ण



भूमिका का ज्ञाया किया। उन्होंने कहा

कि आज के शोध का परिणाम कल पर विभाग को बधाई दी।

का भविष्य है। उन्होंने प्रतिभागियों

को समाज के लाभ के लिए अपने

नवीन विचारों और शोध को लाए

पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान

ने हाल के दिनों में प्रौद्योगिकीय उन्नति

नवीन विचारों और शोध को लाए

पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान

करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने

समय प्रौद्योगिकीय उन्नति का

ऐसे सम्मेलनों के महत्व पर भी जोर

परिचर्तनकाल है, जिसमें प्रौद्योगिकीय

उन्नति के लिए नए शोध में इंजीनियर

और इनोवेटर्स भूमिका महत्वपूर्ण है।

उन्होंने भारत के विश्वत शेत्र पर एक

सर्विक्षण विवरण प्रस्तुत किया और

बताया कि नई प्रौद्योगिकीय उन्नति से

कैसे विश्वत शेत्र का भविष्य बदलने

प्रारंभिक

वाला है।



NEWS CLIPPING:16.04.2022

AMAR UJALA

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए जल्द मिलेगी चार्जिंग की सुविधा

फरीदाबाद। हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित होगी। राज्य सरकार द्वारा लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने के लिए नई नीति तैयार की गई है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने पर काम होगा। यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ. हनीफ कुरैशी ने जेसी बोस विश्वविद्यालय(विवि) में आयोजित कार्यक्रम में दी।

जेसी बोस विवि में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग' के क्षेत्र में नवीन विकास' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली से प्रो. भीम सिंह मुख्य बक्ता रहे। मुख्य अतिथि डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अंक्षय ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य है। इसके लिए हरियाणा में पहले ही जैव ऊर्जा नीति और सौर ऊर्जा नीति लागू है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की इलेक्ट्रिक वाहन नीति स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देकर पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करेगी। साथ ही राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन के निर्माण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को प्रोत्साहित करेगी। वाहन प्रदूषण को दूर करने के लिए ई-वाहन बेहतर समाधान है। ब्यूरो



DAINIK BHASKAR

हरियाणा में जल्द विकसित होगी इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग की ढांचागत सुविधा: डॉ. कुरैशी

फरीदाबाद | हरियाणा में जल्द ही सभी प्रकार के इलेक्ट्रिक वाहन चार्ज करने के लिए ढांचागत सुविधा विकसित की जाएगी। राज्य सरकार ने लोगों को इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिए प्रोत्साहन देने और राज्य में इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ बनाने के लिए एक इलेक्ट्रिक वाहन नीति तैयार की है। इसमें इलेक्ट्रिक वाहनों की चार्जिंग के लिए बेहतर बुनियादी सुविधा विकसित करने का प्रस्ताव है। यह जानकारी हरियाणा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग के महानिदेशक डॉ. हनीफ कुरैशी ने शुक्रवार को जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग' के क्षेत्र में नवीन विकास' विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में दी। वह सम्मेलन में मुख्य अतिथि थे। सम्मेलन की अध्यक्षता कुलपति प्रो. एसके तोमर ने की। सम्मेलन में आईआईटी दिल्ली के प्रो. भीम सिंह मुख्य वक्ता थे। डॉ. कुरैशी ने कहा कि भारत ने 2030 तक अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का 50 प्रतिशत अक्षय ऊर्जा से पूरा करने का लक्ष्य रखा है।